उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 26 अगस्त, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–04(08/120)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने फूलों के बुके को रिसाइकिल कर धूप और अगरबत्ती निर्माण को प्रोत्साहित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल की है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने फूलों के बुके को भी पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन का जरिया बना दिया है। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने पुराने हो रहे बुके का सदुपयोग करके एक संदेश भी दिया है।

मुलाकात के दौरान बुके देकर अभिवादन, एक सामान्य शिष्टाचार बन गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बुके की जगह बुक देने का रिवाज प्रचलित किया है। जिसके बाद से मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र अब किताब भेंट कर ही अभिवादन करते है, हालांकि मुख्यमंत्री आवास में मुख्यमंत्री से मिलने वाली अधिकांश लोग अब भी बुके भेंट करते है। इसके उचित उपयोग की चिंता मुख्यमंत्री को रहती है।

मुख्यमंत्री को जितने भी बुके दिए जाते हैं, पुराने होने पर उन्हें कूडे के ढेर में फेंकने के बजाय पुराने बुके को देहरादून स्थित नारी निकेतन को सौंप दिया जाता है। नारी निकेतन में रह रही संवासिनियां इन बुके का सदुपयोग करती हैं और इन्हें रिसाइकिल कर अगरबत्ती और धूप बनाने के काम में प्रयोग करती है। इस तरह एक बुके का न सिर्फ सदुपयोग होता है बल्कि इसके द्वारा सूक्ष्म रोजगार का सृजन भी होता है।

जिला प्रोबेशन अधिकारी(डी.पी.ओ.) सुश्री मीना बिष्ट ने मुख्यमंत्री की इस पहल का धन्यवाद देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वतः संज्ञान लेते हुए उन्हें भेंट किये जाने वाले बुके, नारी निकेतन को देने व रिसाइकिल करने का यह कदम उठाया है। इस पहल से वहां रह रही संवासिनियों का न सिर्फ मनोबल बढ़ा है, बल्कि धूप और अगरबत्ती बनाने के लिए कच्चा माल भी आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इस पहल से महिलाएं कम लागत पर अगरबत्ती व धूप निर्माण कर पा रही हैं।

देहरादून 26 अगस्त, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–03(08/119)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से शुक्रवार देर रात्रि सचिवालय में खटीमा विधायक श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुलाकात कर धारचूला के आपदा प्रभावित क्षेत्रों से सम्बंधित रिपोर्ट सौंपी। गौरतलब है कि विगत में धारचूला, मालपा के आपदाग्रस्त क्षेत्रों में जान–माल के नुकसान का जायजा लेने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भट्ट ने खटीमा से विधायक श्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति ने 16 से 20 अगस्त तक आपदाग्रस्त क्षेत्रों का भ्रमण कर आपदा से हुए नुकसान एवं स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित क्षेत्रों में आपदा प्रभावित लोगों को त्वरित राहत पहुंचाने का हर सम्भव प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री ने श्री धामी को धन्यवाद देते हुये कहा कि समिति की रिपोर्ट पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 26 अगस्त, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–02(08/118)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित एक बैठक में पतंजलि संस्था के साथ प्रस्तावित 'सहयोग' कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर वन मंत्री डॉ.हरक सिंह रावत तथा पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने विभागों को निर्देश दिये कि जिन बिन्दुओं पर सहमति बनी है उनके क्रियान्वयन हेतु सभी पक्षो पर विचार कर विस्तृत एम.ओ.यू. तैयार कर अग्रिम कार्यवाही की जाए। उन्होंने जड़ी–बूटी उत्पादन विपणन को प्रोत्साहित करने के लिये सिंगल विण्डो सिस्टम की आवश्यकता बताई। जड़ी–बूटी खेती को किसानों के लिये लाभकारी बनाना होगा। जड़ी बूटियों के लिये बीज और नर्सरी उपलब्ध कराना जरूरी है। गांवों में पर्यटन और आयुष गतिविधियों पर आधारित रोजगार के अवसर उत्पन्न करने जरूरी है। पशुपालन और औद्यानिकी को क्लस्टर्स में योजनाबद्ध तरीके से बढ़ाना होगा। उन्होंने पतंजलि द्वारा इस दिशा में सकारात्मक सहयोग पर संतोष व्यक्त करते हुए बाबा रामदेव एवं आचार्य बालकृष्ण को धन्यवाद भी दिया।

बैठक में उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के शोधार्थियों हेतु पतंजलि द्वारा लैब सुविधाएं उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। पतंजलि संस्था लैब कार्यों के लिये शीघ्र ही 'आइटमाइज्ड' दरें उपलब्ध करायेगी, जो बाजार दरो से कम होगी। उत्तराखण्ड के किसानों से मोटे अनाज के क्रय हेतु पतंजलि को क्लस्टरवार विपणन हेतु उपलब्ध अनाज उत्पादन का विवरण उपलब्ध कराया जायेगा। इसके साथ ही पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में पतंजलि किसी एक ग्राम या क्लस्टर में कान्ट्रैक्ट फार्मिंग भी शुरू करेगी। पतंजलि को राज्य सरकार उपलब्ध जड़ी बूटियों की सूची तथा उनके बीज की उपलब्धता का विवरण देगी। पतंजलि द्वारा जडी बूटियों के लिये शीघ्र ही न्यूनतम क्रय मूल्य घोषित किया जायेगा।

पतंजलि मुनि की रेती में वन विभाग के डॉ.सुशीला तिवारी हर्बल गार्डेन को मॉडल हर्बल गार्डेन एवं नर्सरी में विकसित करेगा। इस हर्बल गार्डेन को पर्यटक आकर्षण का केन्द्र भी बनाया जायेगा। पशुपालन विभाग के पास गो–मूत्र उपलब्ध है जबकि पतंजलि के पास साइलेज(पशुचारा) की उपलब्धता है। दोनो परस्पर विनियम की शर्तें निर्धारित करते हुए गो–मूत्र एवं साइलेज का आदान प्रदान करेंगे। अगले तीन माह के लिये पशुपालन विभाग द्वारा 1073 मीट्रिक टन साइलेज की मांग की गई। पशुपालन विभाग द्वारा टेस्टिंग प्रक्रिया के रूप में पतंजलि को दूध आपूर्ति भी की जा रही है। शीघ्र ही 12000 लीटर दूध की आपूर्ति प्रारम्भ की जायेगी। इसके साथ ही चंपावत में नरियाल गांव में बद्री गाय संवर्द्धन योजना को भी पतंजलि द्वारा संचालित किया जायेगा। पर्यटन विभाग द्वारा प्रस्ताव दिया गया कि राज्य में ऐसे 12 गांवों में जहां ए.डी.बी. द्वारा अवस्थापना सुविधाएं विकसित की जा रही है वहां स्थानीय लोगों को पतंजलि के माध्यम से पंचकर्म, योग आदि में प्रशिक्षित कर पर्यटक केन्द्र विकसित किया जा सकता है। इसी प्रकार बंद पडे टूरिस्ट सेंटरों में से कुछ सेंटर पतंजलि पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में ले सकता है। पतंजलि संस्था द्वारा हरिद्वार जनपद के सभी आंगनबाडी केन्द्रों पर हाईजीन सुविधाएं विकसित करने हेतु सहमति दी गई। बैठक में सहकारिता, एरोमैटिक प्लांट, मधुमक्खी पालन, जड़ी बूटी पादप डाक्यूमेंटेशन आदि विषयों पर भी चर्चा हुई।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री ओमप्रकाश, प्रमुख सचिव श्रीमती राधा रतूडी सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे।

देहरादून 26 अगस्त, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(08/117)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष श्रीमती वास्वी भारत राम के नेतृत्व में महिला व्यवसायियो के प्रतिनिधिमण्डल ने शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को राज्य में अपनी महिला सशक्तिकरण तथा सामाजिक कार्यो से सम्बन्धित गतिविधियों से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि राज्य सरकार अगले एक से दो वर्षो तक ''बेटी–बचाओं बेटी–पढ़ाओं'' कार्यक्रम पर विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने राज्य के तीन जिलों पिथौरागढ़, पौड़ी तथा चम्पावत में लिंगानुपात कम होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उक्त जिलों में बेटी–बचाओं बेटी–पढ़ाओं बेटी–बढ़ाओं तथा महिला सशक्तिकरण के प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

इस अवसर पर श्रीमती शिल्पी अरोड़ा, श्रीमती जयन्ती डालमिया आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।